Telangana Today- 03- June-2022

SLIP, BLIP to irrigate 3.84L acres, says Minister

Home Minister Mohd Mahmood Ali unfurling the national flag on the occasion of Telangana State Formation in Sangareddy.

STATE BUREAU
Sangareddy

Home Minister Mohd Mahmood Ali said that the Telangana government was aiming to irrigate agriculture lands in Sangareddy with Godavari water by completing Sangameshwara Lift Irrigation Project (SLIP) and Basaveshwara Lift Irrigation Project (BLIP). Addressing the gathering after unfurling the national flag in Sangareddy on Thursday, the Home Minister said they will bring 3.84 lakh acres under irrigation by completing both the Lift Irrigation Projects as part of the Kaleshwaram Lift Irrigation Scheme (KLIS).

Elaborating on various welfare and development schemes launched by the Telangana government, Ali said Telangana has become a model in conceiving the welfare schemes and development projects for the rest of the nation. Zilla Parishad Chairperson P Manjusri, Collector Sangareddy M Hanumantha Rao, Additional Collectors Rajharshi Sha, J Veera Reddy, DCMS Chairperson Malkapuram Shiva Kumar and others were present.

Millennium Post- 03- June-2022

Shah reviews floods, monsoon preparedness

Union Home Minister seeks Centre-states coordination to predict deluge and water level rise

MPOST BUREAU

NEW DELHI: Union Home Minister Amit Shah on Thursday reviewed the overall preparedness to deal with floods and monsoon and sought strengthening of coordination between the central and the state governments for proper prediction of the deluge and water level rise.

Chairing the meeting, he took stock of the preparations made by the National Disaster Response Force (NDRF) and the National Disaster Management Authority (NDMA) in the flood-affected areas.

The home minister reviewed the overall preparedness to deal with floods during monsoon, an official spokesperson said. Shah also reviewed the long-term measures to formulate a comprehensive policy to mitigate the flood-related problems of the country.

The officials were directed to continuously strengthen coordination between the central and the state level agencies to establish a permanent system for providing the accurate prediction of flood and water level rise in major catchment areas of the country, the spokesperson said. The home minister instructed the India Meteorological Department (IMD) and the Central Water Commission (CWC) to continue to upgrade their technologies for more accurate weather and flood forecasting.

A vendor wades through a waterlogged street with his cart following heavy rains in Agartala PTI FILE

The NDRF has been directed to prepare SOPs in collaboration with the states for issuing rain early warnings at local, municipal and state levels in areas with heavy rainfall.

Shah stressed on making Damini app available in all local languages saying it gives lightning warning three hours in advance that can help in minimising loss of lives and property.

He also ordered timely dissemination of warnings about lightning to the public through SMSes, and other means like TV and radio. The decisions taken in the meeting will go a long way in mitigating and easing sufferings of lakhs of people who have to face the wrath of floods affecting their crops, property, livelihood and lives, the spokesperson said.

Millennium Post- 03- June-2022

Monsoon enters NE; heavy rain expected

'Onset of monsoon over Kerala 3 days ahead of normal date of June 1'

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: After a brief lull, the Bay of Bengal arm of the south-west monsoon has stirred into action and entered north-eastern parts of the country and is set to bring heavy rains over Assam and Meghalaya over the next two days, the IMD said on Thursday.

"Southwest monsoon has further advanced into some parts of northwest Bay of Bengal, some more parts of northeast & east-central Bay of Bengal and most parts of Mizoram, Manipur and Nagaland," the India Meteorological Department said.

On Wednesday, the monsoon had covered Bengaluru, Chikmagluru, Karwar.

Under the influence of monsoonal westerly winds from the Arabian Sea over the south peninsular India, the weather office has forecast fairly widespread rainfall over coastal and south interior Karnataka, Kerala, Mahe and Lakshadweep and over the next five days.

It has also forecast isolated to scattered rains over Andhra Pradesh, Telangana, North Interior Karnataka, Tamil Nadu, Puducherry and Karaikal during next five days.

Maximum temperatures have been rising gradually over northwest India and the weather office has issued heatwave warnings over Rajasthan, south Punjab and south Haryana over the next two days.

The weather office had upgraded its forecast for a normal monsoon this year on Monday. It said that monsoon rains would be fairly well-distributed across the country, except in north-eastern parts of the country and extreme southwestern peninsula.

The IMD had announced the onset of monsoon over Kerala on May 29, three days ahead of the normal onset date of June 1.

Amar Ujala- 03- June-2022

भूजल स्तर बढ़ाने पर दिल्ली सरकार गंभीर

यमुना में आने वाले बाढ़ के पानी का भंडारण करने की तैयारी शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने यमुना नदी की बाढ़ के पानी का भंडारण कर भूजल स्तर बढ़ाने का प्लान पर काम शुरू कर दिया है। उसकी पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना के चलते भूजल स्तर में लगातार सुधार हो रहा है। देश के सूखाग्रस्त व पानी की किल्लत झेल रहे राज्यों के लिए पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना एक बेहतरीन उदाहरण साबित होगी। इसके अलावा दिल्ली सरकार बाढ़ के पानी का सदुपयोग कर पीने के पानी की कमी भी दूर करेगी।

दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बृहस्पतिवार को पल्ला में यमुना फ्लड प्लेन परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ परियोजना को पूरा करने के निर्देश दिए। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बाढ़ के पानी को जमीन के भीतर ले जाना है। इससे भूजल का स्तर बेहतर होगा। वहीं, दिल्ली के घरों में 24 घंटे साफ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। भारद्वाज ने बताया कि राजधानी से गुजरने वाली यमुना नदी में मानसून के दौरान लगभग हर साल बाढ़ आती है।

बाढ़ का प्रकोप ज्यादा होने पर दिल्ली को नुकसान झेलना पड़ता है। इस कड़ी में दिल्ली सरकार ने तीन साल पहले मानसून के मौसम में पानी को इकट्ठा करने के लिए यमुना बाढ़ के मैदान में पर्यावरण के अनुकूल पल्ला प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसके तहत 26 एकड़ का एक तालाब बनाया गया, जहां बाढ़ के पानी का संचय होता है, जिसका उपयोग राजधानी में भूजल को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। भूजल स्तर में बढ़ोतरी की मात्रा का पता लगाने के लिए 33 पीजोमीटर भी लगाए गए हैं।

यमुना की दुर्दशा

नई दिल्ली में बृहस्पतिवार को आईटीओ के निकट यमुना कुछ ऐसी दिखी। नदी की सतह रासायनिक झाग और गंदगी से पटी पड़ी थी। अब सवाल है कि आखिर यमुना कैसे निर्मल होगी। एजेंसी

पानी की किल्लत वाले राज्यों के लिए बनेगी मिसाल

निरीक्षण करते सौरभ भारद्वाज। - अमर उजाला

सौरभ भारद्वाज ने बताया कि दिल्ली सरकार दिल्ली में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा बनाने व समाज के हर तबके को बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही है। इनका उद्देश्य जल संरक्षण, जल प्रदूषण नियंत्रण, अंडरग्राउंड वाटर को रिचार्ज करना, दुर्गंध में कमी, दिल्ली के घरों में साफ पानी की आपूर्ति, यमुना की सफाई, प्राकृतिक कार्बन सिंक में वृद्धि कर इकोलॉजिकल सिस्टम को बनाए रखना है। पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना सिर्फ दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे देश के सूखाग्रस्त और पानी की किल्लत झेल रहे राज्यों के लिए एक बेहतरीन उदाहरण साबित होगी।

भूजल स्तर में दिखा बेहतर परिणाम : पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना के कार्यान्वयन के तत्काल बेहतर परिणाम सामने आए थे। वर्ष 2020 और 2021 में क्रमशः 2.9 मिलियन क्यूबिक मीटर और 4.6 मिलियन क्यूबिक मीटर अंडरग्राउंड वाटर बड़े पैमाने पर रिचार्ज किया गया। वहीं इसके बाद भी यह देखा गया कि पल्ला परियोजना क्षेत्र में पिछले वर्ष का भूजल स्तर अनुमान से निकाले गए 3.6 मिलियन क्यूबिक मीटर भूजल से अधिक था। इस परियोजना ने न केवल पानी की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम किया है, बल्कि गड्ढों (जलभृतों) में पानी की बढ़ोतरी भी हुई है। परियोजना क्षेत्र में पीजोमीटर में भूजल-स्तर में 0.5 मीटर से 2.5 मीटर की औसत वृद्धि देखी गई।

Amar Ujala- 03- June-2022

केन-बेतवा परियोजना से पूरे इलाके में नदियों को जोड़ने का रोडमैप तैयार

जलशक्ति मंत्रालय ने जारी की ग्रेटर पन्ना लैंडस्केप प्रबंधन योजना की अंतिम रिपोर्ट

नई दिल्ली। केन बेतवा लिंक के वन्यजीवों और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्राणवायु बनने को लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने ग्रेटर पन्ना लैंडस्केप के लिए एकीकृत लैंडस्केप प्रबंधन योजना की अंतिम रिपोर्ट जारी की। इसे वन्यजीव संस्थान डब्ल्यूआईआई द्वारा तैयार किया गया है। इसमें केन बेतवा लिंक परियोजना के तहत पूरे इलाके में नदियों को जोड़ने के रोड मैप के साथ पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण के लिहाज से विस्तृत कार्ययोजना को तैयार किया है।

डब्ल्यूआईआई के वैज्ञानिक डॉक्टर रमेश प्रधान के नेतृत्व में परियोजना दल ने उन्नत वैज्ञानिक उपकरणों और तकनीकों का प्रयोग किया। उन्होंने दोनों नदियों और उनके आसपास के पूरे इलाके का व्यापक परिदृश्य अध्ययन और डाटा विश्लेषण किया। साथ ही प्रस्तावित गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए विस्तार पूर्वक प्रत्येक साइड का इनपुट भी एकत्र किया जिसमें बाघ, गिद्ध और घड़ियाल जैसी प्रमुख जातियों के संरक्षण और उन्हें आवास के साथ-साथ बेहतर प्रबंधन देने के लिए भी इस एकीकृत प्लान में व्यापक प्रावधान किए गए हैं। दिल्ली में एक समारोह में इसे जल संसाधन नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के सचिव पंकज कुमार ने जारी किया है। इसमें स्थानीय परिदृश्य में जैव विविधता संरक्षण और मानव कल्याण के साथ रोजगार सृजन के विशेष जोर दिया गया है। इसके अलावा वन आश्रित समुदायों को समायोजित करने के लिए इसके तहत विशेष रूप से प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा इस कार्य योजना में वन्यजीव संरक्षण के लिए भी विशेष प्रयास किये गए हैं। इसमें मध्यप्रदेश के नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य और दुर्गावती वन्यजीव अभयारण्य, उत्तर प्रदेश के रानीपुर वन्य जीव अभयारण्य के मध्य संपर्क मार्ग बनाकर एक ऐसे कॉरिडोर के निर्माण की परिकल्पना की गई है, जिसकी मदद से तीन सेंचुरी में बाघ संरक्षण के लिए उपयुक्त पारिस्थितिकी तंत्र उपलब्ध हो सकेगा। इससे बाघों के संरक्षण के साथ रानीपुर में भी बाघ और दूसरे वन्यजीवों की आबादी को स्थापित करने में मदद मिलेगी। ब्यूरो

Hindustan- 03- June-2022

बाढ़ के पानी से भूजल का स्तर बढ़ेगा

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ परियोजना को पूरा करने के निर्देश दिए। भारद्वाज के मुताबिक, परियोजना का उद्देश्य बाढ़ का संचित पानी जमीन में लौटाना है। इससे भूजल का स्तर न सिर्फ रिचार्ज होगा, बल्कि पानी का स्तर और ऊपर आ जाएगा।

सौरभ भारद्वाज के मुताबिक, दिल्ली से गुजरने वाली यमुना नदी में मानसून के दौरान करीब हर वर्ष बाढ़ आती है। ऐसे में दिल्ली सरकार ने तीन साल पहले बाढ़ के पानी को इकट्ठा करने के

दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने किया पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना का निरीक्षण

लिए यमुना के बाढ़ प्रभावित इलाके में पल्ला प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसके तहत 26 एकड़ का एक तालाब बनाया गया, जहां बाढ़ का पानी संचय होता है, जिसका उपयोग राजधानी में भूजल को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

सुधार हुआ : पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना से बेहतर नतीजे सामने आए थे। 2020 और 2021 में क्रमशः 2.9 मिलियन क्यूबिक मीटर और 4.6 मिलियन क्यूबिक मीटर अंडरग्राउंड वाटर बड़े पैमाने पर रिचार्ज किया गया है। यह देखा गया कि पल्ला परियोजना क्षेत्र में पिछले वर्ष का भूजल स्तर, अनुमान से निकाले गए 3.6 मिलियन क्यूबिक मीटर भूजल से अधिक था। परियोजना क्षेत्र में पीजोमीटर में भूजल स्तर में 0.5 मीटर से 2.5 मीटर की औसत वृद्धि देखी गई।

जल्द पूरा होगा : सौरभ भारद्वाज ने बताया कि दिल्ली सरकार गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा बनाने और समाज के हर तबके को बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में विभिन्न परियजनाओं पर काम कर रही है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य जल संरक्षण, घरों में साफ पानी की आपूर्ति, यमुना की सफाई आदि है।

Rashtriya Sahara- 03- June-2022

बाढ़ से निपटने को शाह ने की बैठक

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वृहस्पतिवार को उच्चस्तरीय वैठक कर आगामी मानसून में वाढ़ से निपटने की समग्र तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय आपदा मोचन वल व राष्ट्रीय आपदा प्रवंधन प्राधिकरण द्वारा वाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में की गई तैयारियों का जायजा भी लिया।

उन्होंने देश की वाढ़संवंधित समस्याओं को कम करने के लिए एक विस्तृत और व्यापक नीति तैयार करने के लिए दीर्घकालिक उपायों की भी समीक्षा की। वैठक में वाढ़ के दौरान जानमाल के नुकसान को न्यूनतम करने के लिए कई निर्णय लिए गए। वैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, गृह, जल संसाधन, नदी विकास और नदी कायाकल्प, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालयों के सचिव, सदस्य सचिव, एनडीएमए, आईएमडी और एनडीआरएफ के महानिदेशक, इसरो, रेलवे वोर्ड, एनएचएआई, सीडव्ल्यूसी और संवंधित मंत्रालयों के अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

■ बैठक में बाढ़ के दौरान जानमाल के नुकसान को न्यूनतम करने को लिए कई निर्णय

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को देश के प्रमुख कैचमेंट क्षेत्रों में वाढ़ और जलस्तर में वृद्धि की सवसे निचले स्तर तक भविष्यवाणी पहुंचाने के लिए एक स्थायी प्रणाली स्थापित कर केंद्र और राज्यस्तरीय एजेंसियों के वीच समन्वय को लगातार मजवूत करते रहने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्तमान वाढ़ के मौसम के दौरान, वर्तमान और पूर्वानुमानित नदी के स्तर की हर घंटे निगरानी की जानी चाहिए और वाढ़ के दौरान सभी संवंधित हितधारकों द्वारा उचित उपायों तटवंधों, निकासी, अस्थायी आश्रयों आदि की निगरानी की जानी चाहिए। उन्होंने एनडीआरएफ से वहुत अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में स्थानीय, नगरपालिका और राज्य स्तर पर वर्षा पूर्व चेतावनी जारी करने के लिए राज्यों के साथ मिलकर एसओपी तैयार करने का निर्देश दिया।

शाह ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और केंद्रीय जल आयोग (सीडव्ल्यूसी) जैसे विशिष्ट संस्थानों को सलाह दी कि वे अधिक सटीक मौसम और वाढ़ पूर्वानुमान के लिए अपनी प्रौद्योगिकियों का उन्नयन जारी रखें। उन्होंने एसएमएस, टीवी, एफएम रेडियो और अन्य माध्यमों के ज़रिए जनता को विजली गिरने के वारे में चेतावनियों का समय पर प्रसार करने का निर्देश दिया। शाह ने कहा कि एनडीआरएफ़ और एसडीआरएफ़ को विजली गिरने की चेतावनी की सूचना जिला कलेक्टरों और पंचायतों तक पहुंचाने की व्यवस्था वनाने को कहा, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो।

उन्होंने आईएमडी द्वारा विकसित 'उमंग', 'रेन अलार्म' और 'दामिनी' जैसे मौसम पूर्वानुमान से संवंधित विभिन्न मोवाइल ऐप का अधिकतम प्रचारप्रसार करने का भी निर्देश दिया, ताकि उनका लाभ लक्षित आवादी तक पहुंचे। 'दामिनी' ऐप को देश की सभी स्थानीय भाषाओं में भी उपलव्ध कराने के निर्देश भी दिए।

Rashtriya Sahara- 03- June-2022

बाढ़ के पानी का उपयोग कर लोगों की प्यास बुझाएगी सरकार

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली जल बोर्ड (दिजबो) के उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि केजरीवाल सरकार यमुना नदी में बाढ़ के पानी का भंडार करने की दिशा में काम कर रही है। इससे दिल्ली के लोगों को पर्याप्त पेयजल जल मिलेगा और यमुना नदी को साफ करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर भारद्वाज ने गुरुवार को पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने दावा किया है कि पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना के चलते भूजल स्तर में लगातार सुधार हो रहा है।

आप विधायक भारद्वाज ने कहा है कि दिल्ली में लोगों को स्वच्छ और बेहतर गुणवत्ता वाले पानी की 24 घंटे आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में उनकी सरकार काम कर रही है। जल प्रदूषण को कम करने और 2025 तक यमुना नदी की सफाई के लिए तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने बोर्ड के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ परियोजना को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य

> पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना का निरीक्षण करने पहुंचे दिजबो उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज

बाढ़ का संचित पानी बाढ़ समाप्त होने के बाद वापस जमीन में लौटाना है, जिससे न केवल तेजी से भूजल स्तर बढ़ेगा, बल्कि बेहतर होकर पानी का स्तर सुधरेगा और सरकार को दिल्लीवासियों को 24 घंटे जलापूर्ति करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि राजधानी में कमोबेश हर साल बाढ़ आती है। बाढ़ का प्रकोप ज्यादा हो, तो उसका नुकसान दिल्ली को झेलना पड़ता है। इस नुकसान को बचाने के लिए 26 एकड़ का एक तालाब बनाया गया है। जहां बाढ़ के पानी का भण्डार किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि भूजल स्तर का पता लगाने के लिए 33 पीजोमीटर लगाए गए हैं। पल्ला से वजीराबाद के बीच 20-25 किमी लंबे इस स्ट्रैच पर प्राकृतिक तौर पर गड्ढे (तालाब) बनाए गए हैं। मानसून या बाढ़ आने पर पानी इसमें भर जाता है। नदी का पानी जब उतरता है, तो गड्ढों में पानी भरा रह जाता है। इससे भूजल स्तर में सुधार होगा। उन्होंने बताया कि सरकार दिल्ली में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा बनाने व समाज के हर तबके को बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में काम कर रही है।